भ्रष्टाचार | नगर पालिका की लापरवाही हुई उजागर, पुरानी नाली हुई बेकार

फिर कमीशन के चक्कर में नई नाली पर लाखों का खेल

शहडोल, नवभारत। जब भ्रष्टाचार इतना खुला और पारदर्शी हो जाए कि उसे देखकर आम जनता भी कहने लगे अरे यही तो चलता है तब समझिए कि वह अघोषित कानून बन चुका है। जनप्रतिनिधि और अधिकारी इसे मौन स्वीकृति दे देते हैं और कमीशन का खेल बेखौफ चलता रहता है। शहडोल नगर में यही हो रहा है।

आमजनों का कहना है कि विकास के नाम पर जो खेल चल रहा है वह न तो शहर को सुंदर बना रहा है और न ही जनता की गाढ़ी कमाई का सदुपयोग कर रहा है। यह सिर्फ़ कुछ लोगों की जेबें भरने का ज़रिया बन गया है।

अतिक्रमण को अभयदान शहर को बदसूरती

गुरुनानक चौक से कमिश्नर बंगला तक की सड़क को चौड़ा करने और एक समान बनाने का प्लान नगर पालिका ने बनाया था। लेकिन जब अतिक्रमण हटाने की बारी आई तो कुछ खास लोगों के अतिक्रमणों को अभयदान दे दिया गया। नतीजा सड़क टेढ़ी-मेढ़ी ऊँची-नीची और बदसूरत बनकर रह गई। एक संभावित विकसित बाजार क्षेत्र की हत्या कर दी गई। शहर की सुंदरता और यातायात की सुगमता गौण हो गई। भ्रष्टाचार को खुली छूट मिली और प्लान कागज़ों में ही दफ़्न हो गया।

आज भी पानी पुरानी नाली से ही बह रहा

इंद्रा चौक से गांधी चौक तक की उस नाली पर जो खनिज न्यास की निधि से बन रही है। एक दशक पहले भाजपा की परिषद ने इसी मार्ग पर लाखों रुपए खर्च कर कांक्रीट की नाली बनवाई थी। लेकिन जंगल विभाग कार्यालय के सामने आते-आते वह नाली अचानक 'तोड़' दी गई। लाखों की लागत से बनी नाली आज भी खड़ी है बिना किसी उपयोग के। उसकी भव्यता देखकर लगता है मानो वह अपने बेकार होने की गाथा खुद सुना रही हो। आज भी पानी पुरानी नाली से ही बह रहा है। अब उसी मार्ग पर नई नाली बनाई जा रही है। लेकिन हैरानी की बात यह कि नई नाली को पुरानी नाली से जोड़ने के लिए नई नाली-पुलिया बनाई जा रही है। यानी एक दशक पहले जो नाली बनाई गई वह पुलिया के अभाव में अधर में लटकी रही और अब उसी पुरानी नाली को आधार बनाकर नया काम हो रहा है। सवाल साफ़ है अगर पुरानी नाली में ही पुलिया बनानी थी तो उस समय लाखों खर्च करके नई कंक्रीट नाली बनाने की क्या ज़रूरत थी। वार्ड 20 के भाजपा पार्षद और वार्ड 21 के कांग्रेस पार्षद दोनों अपने-अपने में मस्त हैं। कमीशन का खेल चल रहा है इसलिए किसी को कोई शिकायत नहीं। नगर पालिका के अधिकारी अक्षत बुंदेला भी खुलकर कहते हैं कि यह काम खनिज न्यास का पहले से स्वीकृत निधि से हो रहा है। यानी सबकुछ 'लीगल' और 'पारदर्शी' है। पारदर्शी भ्रष्टाचार का इससे सुंदर मॉडल और क्या हो सकता है।

सवाल-लाखों रुपए का हिसाब कौन देगा

अगर सब कुछ पहले से तय था अगर पुरानी नाली में ही पुलिया बनानी थी तो दस साल पहले जो कांक्रीट नाला बनाया गया वह बेकार क्यों पड़ा रहा उसमें खर्च हुए जनता के लाखों रुपए का हिसाब कौन देगा और अब दोबारा उसी जगह पर करोड़ों खर्च करने की ज़रूरत क्यों आन पड़ी। अभी भी कुछ बिगड़ा नहीं है, अगर नगर पालिका अध्यक्ष उपाध्यक्ष संबंधित पार्षद और अधिकारी थोड़ी सी भी ज़िम्मेदारी और ईमानदारी दिखाएँ तो इस दोहरे खर्च और बर्बादी को रोका जा सकता है। लेकिन कमीशन का खेल इतना मीठा है कि शायद कोई सुनना भी नहीं चाहेगा। अब देखना यह है कि यह खुला खेल जनता के संज्ञान में आने के बाद हमारे जनप्रतिनिधि और अधिकारी जीवित होने का प्रमाण-पत्र जारी करेंगे या यूँ ही विकास के नाम पर खामोश तमाशाई बने रहेंगे।

भैंस को क्रूरता पूर्वक ले जाते पिकअप पलटा

▶ पुलिस ने पिकअप वाहन को कब्जे में लिया

शहडोल। बुढ़ार मार्ग में बीती रात्रि क्रूरता पूर्वक भैंसों को ले जा रहा एक पिकअप वाहन टायर फटने से पलट गया जिसके बाद ग्रामीणों ने पहुंचकर भैंसों की रस्सी निकाल कर उन्हें आजाद किया।

बताया जाता है कि एक पिकअप वाहन में मवेशियों को क्रूरता पूर्वक भर कर पशु तस्कर रीवा की ओर जा रहे थे, उसके पहले ही वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिसे छोड़कर तस्कर तो भाग गए, लेकिन पुलिस ने पिकअप वाहन से 7 नग पड़ा (मवेशी) तस्करों के कब्जे से मुक्त कराया है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त पिकअप वाहन को अपने कब्जे में लिया है। वाहन नंबर के अनुसार पुलिस जांच कर रही है, वाहन मालिक और चालक का पुलिस पता लगाने में जुटी हुई है। घटना गोहपारू थाना क्षेत्र के चुहरा गांव की है।

पुलिस ने बताया कि यह घटना गुर्रा बुढ़ार मार्ग में बीती रात्रि की है। चूहरा गांव में पिकअप वाहन का टायर फट जाने से वाहन अनियंत्रित हो गया और सड़क पर जा पलटा। तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग घरों से निकले तो वाहन में सवार तस्कर भाग गए। स्थानीय लोगों ने मवेशियों की चीख पुकार सुन मवेशियों को पिकअप वाहन में बंधी रस्सी खोल कर बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त पिकअप वाहन को अपने कब्जे में लिया है। पुलिस के अनुसार एमपी 65 जेड सी 6383 वाहन में 7 नग पड़ा मिले है। पुलिस के अनुसार सभी मवेशी सुरक्षित हैं। पुलिस ने मवेशियों को सुरक्षित स्थान में पहुंचा है।

तस्करों के मंसूबों पर फिरा पानी

थाना प्रभारी राजकुमार मिश्रा ने बताया कि मामले में जांच की जा रही है, वाहन में जो नंबर लिखा है, उसके बारे में भी पता करवाया जा रहा है। हम तस्करों तक तक जल्द पहुंचेंगे। पुलिस अनुमान लगा रही है कि पिकअप में मवेशियों को क्रूरता पूर्वक भरकर कर यूपी की ओर ले जाया जा रहा था। उसके पहले ही वाहन दुर्घटना का शिकार हो गया और तस्करों के मंसूबे में पानी फिर गया।

इनका रहा सहयोग

उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी गोहपारू निरीक्षक राजकुमार मिश्रा के नेतृत्व में सहायक उप निरीक्षक भागचंद प्रधान आरक्षक राकेश शुक्ला आरक्षक अजीत यादव की सराहनीय भूमिका रही।

गणना पत्रक वापस करने मतदाताओं से कलेक्टर ने की अपील

शहडोल। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. केदार सिंह ने जिले के मतदाताओं से अपील की है कि विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर कार्य के अंतर्गत बीएलओ द्वारा घर-घर पहुँचकर वितरित किए गए गणना पत्रक को शीघ्र भरकर संबंधित बीएलओ को उपलब्ध कराएँ। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि कई मतदाताओं द्वारा अभी तक गणना पत्रक वापस नहीं किए गए हैं, जिन मतदाताओं ने अब तक गणना पत्रक नहीं भरा है, वे यथाशीघ्र गणना पत्रक भरकर संबंधित बीएलओ को उपलब्ध करा दें।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा बी.एल.ओ.को मतदाताओं से गणना पत्रक को प्राप्त करने हेतु अधिकतम 3 बार संपर्क हेतु कहा गया है अन्यथा बी.एल.ओ. द्वारा रिफ्यूज्ड के ऑप्शन पर जाकर फॉर्म न जमा करने की जानकारी अंकित कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि घर-घर मतदाताओ की सत्यापन की तिथि 11 दिसम्बर, ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी करने की तिथि 16 दिसम्बर, दावा आपत्ति की तिथि 16 दिसम्बर से 15 जनवरी 2026, सुनवाई और सत्यापन की तिथि 16 दिसम्बर से 7 फरवरी 2026 एवं अंतिम मतदाता सूची जारी करने की तिथि 14 फरवरी 2026 निर्धारित की गई है।

श्रीमद् भगवत गीता के 15वें अध्याय पुरुषोत्तम योग का सामूहिक रूप से किया गया पाठ

▶ अन्तर्राष्ट्रीय गीता दिवस पर सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में हुआ आयोजन

शहडोल । अन्तर्राष्ट्रीय गीता दिवस पर संभाग स्तरीय कार्यक्रम सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शहडोल में धार्मिक एवं सांस्कृतिक वातावरण के बीच सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्कृत महाविद्यालय के सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. रामकिशोर द्विवेदी, कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, सीईओ जिला पंचायत शिवम प्रजापति, संयुक्त आयुक्त विकास मगन सिंह कनेश, जनपद अध्यक्ष सोहागपुर हीरावती कोल, उपाध्यक्ष शक्ति सिंह सहित गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर की गई।

इस अवसर पर रामावतार साहू द्वारा मर्यादा है, इस देश की पहचान है गीता, पूजा है धरम गीत है ईमान है गीता, सुन ले-सुन ले ध्यान से प्राणी गीता ज्ञान है अमृतवाणी की सस्वर प्रस्तुति दी गई। गीता महोत्सव का आयोजन मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग के वीर भारत न्यास, जनसंपर्क विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, जेल विभाग, श्री कृष्ण पाथेय न्यास एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 3 दिसंबर तक किया जाएगा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेवा निवृत्त प्राचार्य संस्कृत महाविद्यालय शहडोल डॉ. रामकिशोर द्विवेदी ने विश्व गीता प्रतिष्ठाम् द्वारा श्रीगीता के प्रचार-प्रसार एवं उपदेशों को हर घर तक पहुंचाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भगवत गीता के कर्मयोग सिद्धांत से निष्ठापूर्वक अपने कर्म पथ पर दृढ़ होकर चलने की प्रेरणा मिलती है। श्रीगीता ग्रंथ शब्दों का संग्रह नहीं अपितु भगवान श्रीकृष्ण के मुख से निकली हुई वाणी है। गीता पाठ के अध्ययन से जाने अनजाने हुए गलत कर्मों से मुक्ति मिलती है। गीता अनुरागी श्रीकान्त शर्मा ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार के विरासत भी विकास भी की संकल्पना के मूल विचार मे सनातन परंपराएं, मान्यताएं और उसके कल्याणकारी सामाजिक परिणामों पर आधारित यह कार्यक्रम नई पीढ़ी को सनातन से परिचय कराने का अवसर है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के जीवन आदर्शों एवं वचनों को अपने दैनिक कार्य व्यवहार मे लाएं। जहां श्रीकृष्ण हैं, वही श्री हैं, वहीं समृद्धि है, वही विजय है।

कार्यक्रम में 6 वर्षीय देवेश सिंह ने गीता पाठ की प्रस्तुति देकर उपस्थित जनों को भाव-भोर कर दिया। इस अवसर पर सरस्वती स्कूल की छात्रा कुमारी तन्यु देवी यादव ने अष्ठादश श्लोक, महर्षि विद्या मंदिर के छात्र तनुश्री गुप्ता, वेदान्त, अनिल तिवारी, वेदकृष्ण सिन्हा, श्री तिवारी एवं अन्य छात्र-छात्राओं ने श्रीगीता के सप्तम अध्याय का सस्वर पाठ किया। महर्षि विद्या मंदिर के छात्र सुदीप पटेल ने बताया कि श्री गीता जयंती का आयोजन अगहन मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को मनाया जाता है। इसी दिन योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को कुरूक्षेत्र में ज्ञान दिया था। जिला शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान के सेवा निवृत्त प्राचार्य आरएस गौतम के मार्गदर्शन में श्रीमद्भगवत गीता के 15वें अध्याय का सामूहिक सस्वर पाठ संपन्न कराया गया। सेवा निवृत्त प्राचार्य केपी चतुर्वेदी ने कहा कि श्रीमद्भगवत गीता सभी ग्रंथों का सार है। भारत में ही नहीं दुनिया के अन्य देशों में भी श्रीगीता को मान्यता मिली है। जो राष्ट्र के लिए गौरव की बात है। जहां भगवान श्रीकृष्ण के मुख से निकले उपदेशों की धारा प्रवाहित होती है वहां सद्मार्ग स्वयं ही पुष्पित एवं पल्लवित होने लगता है। इस अवसर पर उज्जैन के दशहरा मैदान में आयोजित मुख्य कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी विद्यालय में दिखाया गया, जिसमें मुख्यमंत्री जी के लाइव उद्बोधन को विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने ध्यानपूर्वक सुना। मुख्यमंत्री जी ने गीता को भारतीय संस्कृति का अमूल्य ज्ञानकोष बताते हुए युवाओं से इसके उपदेशों को आत्मसात करने का आह्वान किया।कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा श्रीगीता पाठ करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

गीता हर मनुष्य को संतुलन, धैर्य और सही निर्णय की कला सिखाती है : कुलगुरु

▶ पंडित शंभूनाथ शुक्ला विवि में गीता जयंती महोत्सव का हुआ आयोजन

शहडोल। पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय में 1 दिसम्बर 2025 को गीता जयंती महोत्सव श्रद्धा, उत्साह और आध्यात्मिक गरिमा के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि कुलगुरु प्रो. रामशंकर सहित कई विशिष्ट वक्ताओं ने गीता की सार्वकालिक उपयोगिता पर सारगर्भित उद्बोधन दिए। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के पारंपरिक स्वागत, तिलक, दीप प्रज्वलन और गीता-वंदना के साथ हुआ। स्वागत गीत कु. प्रज्ञा सिंह ने प्रस्तुत किया। मास्टर देवेश सिंह गूगल बॉय ने गीता के 12 अध्याय का सस्वर पाठ किया कुलगुरू ने उसे सम्मानित किया। कुलगुरु प्रो. रामशंकर ने अपने प्रेरक और सारगर्भित भाषण में कहा कि 'गीता मानव जीवन का सार्वभौमिक संविधान है। इसमें न कोई संप्रदाय है, न कोई सीमा। यह हर मनुष्य को संतुलन, धैर्य और सही निर्णय की कला सिखाती है। आज के युवा यदि गीता के 'कर्मण्येवाधिकारस्ते' को जीवन में उतार लें, तो राष्ट्र और समाज दोनों नई ऊँचाइयाँ छू सकते हैं। 'उन्होंने इस अवसर पर छात्रों को गीता के नियमित अध्ययन की प्रेरणा भी दी।और कहा जब हमारे आर्ष ग्रंथों की बात हो तो हमे तन मन और आत्मा से उपस्थिति देना चाहिए। कार्यक्रम की प्रस्तावना एवं स्वागत प्रो. विनोद कुमार शर्मा ने प्रस्तुत की। इसके बाद विद्यार्थियों ने गीता के महत्व, दर्शन और प्रेरक संदेशों पर अपने विचार व्यक्त किएकृगीता को हमारा महान ग्रन्थ बताया।

वैष्णवी द्विवेदी ने कहा कि गीता जीवन के हर संकट में मार्गदर्शन करने वाली दीपशिखा है। यह मानव को कर्तव्यनिष्ठ रहने का संदेश देती है। ऋषभ द्विवेदी ने गीता को भारतीय आध्यात्मिकता का सार बताते हुए कहा कि इसके श्लोक आधुनिक जीवन की चुनौतियों को शांतिपूर्वक स्वीकार कर समाधान खोजने की शक्ति प्रदान करते हैं।शुभम ने 15वें अध्याय का वाचन करते हुए उसकी 'पुरुषोत्तम योग' की अवधारणा को समाज के लिए उपयोगी बताया।

चंद्रकांत द्विवेदी ने पाठ के दौरान कहा कि गीता मनुष्य को अपने कर्म को सर्वोपरि रखने की शिक्षा देती है।प्रो प्रमोद पाण्डेय के नेतृत्व ध्रुव कुमार मिश्रा, अध्याय 15 का भावपूर्ण पाठ किया। सभी वक्तव्यों के बाद सामूहिक गीता के 15 वे अध्याय के पाठ ने पूरे सभागार को आध्यात्मिक रंग में रंग दिया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. बृजेंद्र पाण्डेय सहायक प्राध्यापक ने आभार व्यक्त किया।और कार्यक्रम का सफल संचालन किया। इसके बाद हवन, प्रसाद वितरण और स्वल्पाहार के साथ कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

विश्व एड्स दिवस पर निकाली गई जागरूकता रैली

शहडोल । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा के निर्देशानुसार विश्व एड्स दिवस के अवसर पर एड्स रोग के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से शहडोल नगर में जागरूकता रैली निकाली गई।रैली को सीएमएचओ कार्यालय से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली जय स्तंभ चैक, गांधी स्टेडियम सहित शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुज़री, जहाँ लोगों को एड्स के प्रति सतर्कता, रोकथाम और जागरूकता का संदेश दिया गया।रैली में जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर. के. शुक्ला, डॉ. एस. डी. कंवर, डीपीसी मनोज द्विवेदी, राजेश श्रीवास्तव सहित समाजसेवी, स्वास्थ्य कर्मी तथा पैरामेडिकल संस्थानों के छात्र-छात्राएँ शामिल हुए।

जल को सहेजने किया गया बोरी बंधान

गोहपारू। गोहपारू क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत सरना में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड गोहपारू के द्वारा ग्राम पंचायत सरना में, झरझरा नाला में जल संचय अभियान के अंतर्गत 78 बोरियों से बोरी बंधान कर जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए कार्य किया गया। बोरी बंधान कार्यक्रम में मेंटर प्रवीण कुमार दुबे, शालू सिंह, अनामिका गुप्ता, पारसनाथ केवट, सत्यम केवट, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष नीरज यादव की सहभागिता रही।

जिले के किसानों के लिए भेजी गई 2020 मीट्रिक टन यूरिया खाद

नवभारत, कटनी। जिले में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर आशीष तिवारी द्वारा वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों से लगातार संवाद और सार्थक प्रयासों की वजह से वर्तमान में रबी फसलों के लिए सर्वाधिक मांग वाली उर्वरक यूरिया खाद की 3 और रैक शनिवार को झुकेही रैक प्वाइंट पर आ गई है। इससे जिले को 2020 मीट्रिक टन नीम कोटेड यूरिया मिली है।

कलेक्टर ने अधिकारियों को खाद वितरण केन्द्रों का नियमित निरीक्षण करने, किसानों से संवाद करने और पीओएस मशीन में उर्वरक स्टॉक की उपलब्धता देखकर इसका भौतिक सत्यापन अवश्य करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को हिदायत दी है कि उर्वरक वितरण व्यवस्था पर पैनी नजर रखें ताकि किसानों को सहजता से खाद मिल सके। उपसंचालक कृषि ने बताया कि रैक से आई नीम कोटेड यूरिया में से कटनी डबल लॉक केन्द्र के लिए 270 मीट्रिक टन, बहोरीबंद डबल लॉक केन्द्र के लिए 330 मीट्रिक टन, मझगवां बड़वारा डबल लॉक केन्द्र के लिए 180 मीट्रिक टन नीम कोटेड यूरिया उर्वरक आवंटित की जाएगी। जबकि जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक कटनी को 515 मीट्रिक टन उर्वरक आवंटित की जाएगी। इसी प्रकार सीएमएस मार्केटिंग सोसायटी कटनी, सीएमएस उमरियापान ढीमरखेड़ा, प्रयदर्शनी विपणन विजयराघवगढ़, सीएमएस बाकल, सीएमएस स्लीमनाबाद और सीएमएस ढीमरखेड़ा को 80-80 मीट्रिक टन यूरिया जबकि सीएमएस रीठी और सीएमएस बड़वारा को 60-60 मीट्रिक टन यूरिया आवंटित की जाएगी। इसके अलावा एमपी एग्रो कटनी को 125 मीट्रिक टन खाद आवंटित की जाएगी।

जिससे यहां के किसानों को पर्याप्त मात्रा में उनकी जरूरत के मुताबिक उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी। कलेक्टर ने किसानों से कहा है कि वे खाद और बीज से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या और शिकायत या खाद, बीज मिलने में परेशानी संबंधी सूचना कलेक्ट्रेट कार्यालय में बने जिला स्तरीय कंट्रोल रूम के टेलीफोन नम्बर 07622-220070 और 07622-220071 पर दी जा सकती है। किसानों की समस्याओं का निराकरण कराया जाएगा।